VOL- VII ISSUE- II FEBRUARY 2020 PEER REVIEW e-JOURNAL IMPACT FACTOR 6.293 ISSN 2349-638x

तुलनात्मक अध्ययन: भाषा के परिप्रेक्ष्य में

प्रा. विजय सिंह ठाकुर
यशवंत महाविद्यालय, नांदेड़

साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन व्यापक दृष्टि प्रदान करता है | संकीर्णता के विरोध में व्यापकता आज के विश्व मनुष्य की आवश्यकता है | तुलनात्मक साहित्य में व्यापक अध्ययन की दिशा में ले जाता है | इस बात की नहीं होती कि कौन सा साहित्यकार श्रेष्ठ है बल्कि तुलना इस बात की होती है कि दोनों साहित्यकार में समानता और भिन्नता के बिंदु कौन से हैं | कहाँ भाव संवेदनाएं तुम इतना विचार कला एक दूसरे के साथ मिलते हैं कहाँ अलग हैं दूसरे को पहचानने तथा स्वीकार करने की दशा में पाठक ले जाता है | वर्तमान समय इसकी विशेष है आवश्यकता हैं | हेनरी एच.एच.मार्क ने तुलनात्मक साहित्य की परिभाषा इस प्रकार दी है | तुलनात्मक साहित्य एक राष्ट्र के साहित्य की परिधि के परे दूसरे राष्ट्रों के साहित्य के साथ तुलनात्मक अध्ययन है तथा अध्ययन कला इतिहास समाज विज्ञान धर्म शास्त्र आदि ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के आपसी संबंधों का भी अध्ययन है | तुलनात्मक साहित्य आज एक स्वतंत्र प्रत्याशा का के रूप में विकसित हो रहा है | अंग्रेजी के कवि मेथनॉल ने सन 1848 में अपने एक पत्र में पद का प्रयोग किया था | भारत में सर्वप्रथम रवींद्रनाथ ठाकुर ने विश्व साहित्य का उल्लेख करते हुए साहित्य के अध्ययन में दृष्टि की आवश्यकता पर जोर दिया था मानव के सांस्कृतिक इतिहास की सहस्रधरा के आश्रम में ही रवि बाबू ने तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन पर बल दिया था | भारत एक बहुआयामी बहुभाषी देश है आधुनिक संदर्भ में भारतीय साहित्य पर एक और जहां मॉरिशस का प्रभाव पड़ा तो दूसरी और देशों में इसकी रोशनी देखे जा सकती है | हिंदी भाषा की लिपि एक ही है बीपी कोइराला भारत-नेपाल प्रतिष्ठान के सहयोग से नेपाली और हिंदी साहित्य के बीच परस्पर आदान-प्रदान की भावना को बढ़ावा मिल रहा है | नार्वे से प्रकाशित पत्रिका शांति शांति दूत के नेपाल से शीर्षक कॉलम द्वारा नेपाली साहित्य और संस्कृति वालों की रचनाएं हमेशा प्रकाशित होती है | भारतीय सांस्कृतिक संबंध द्वारा प्रकाशित गगनांचल आदि में नेपाली साहित्य की चर्चा देखने को मिलती है | रविन्द्रनाथ ठाकुर विश्व विख्यात कवि साहित्यकार दार्शनिक और भारतीय साहित्य के एकमात्र नोबेल पुरस्कार विजेता हैं उन्होंने बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की चेतना में नई जान फूंकने के फूटने वाले युग दृष्टा थे | एकमात्र ऐसे कवि है दो देशों का राष्ट्रगान बना भारत का राष्ट्रगान जन गण मन और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान आमार सोनार बांग्ला गुरुदेव की रचनाएं हैं एक दूसरी भाषा के साहित्य में एकरूपता साम्यता एवं व श्वेता का निरूपण करना तुलनात्मक साहित्य का मुख्य उद्देश्य है | मैक्स मूलर ने 1980 सभी उच्चतर ज्ञान की प्राप्ति तुलना से हुई है वह तुलना पर आधारित है | ताकि अवधारणा को विकसित करने में तुलनात्मक शोध की महत्वपूर्ण भूमिका रही है | विश्व की विभिन्न भाषाओं में पारस्परिक वैचारिक तुलना उन विचारों की वैश्विक उपादेयता भी रेखांकित करने में समर्थ होती है जर्मन अमेरिका फ्रांस अलग-अलग खेमों में बटा हुआ . तुलनात्मक अध्ययन भाषागत रूप में कहीं अंतर नहीं रखता यहां मानव का विवेक किसी रचना के प्रमुख गुणों को बुक करने में सफल होता है तुलनात्मक अध्ययन का सैद्धांतिक पक्ष

मानव मूल्य मनुष्य की मनो भावनाओं मानसिक उद्वेलन पर आधारित होता है | या ज्ञानी और संयोजित अध्ययन रूप है जब भारत में आया ही था तब लोग मजाक में कहते थे कि मास्को में जब बरसात होती है तब भारतीय कम्युनिस्ट दिल्ली में छाता तान लेते हैं अर्थात मार्क्सवाद भारतीय नहीं है, या भारतीयता का विरोधी है; इसी तरह आधुनिकता पश्चिमीकरण फ्राइड स्वार्थ सब भारतीय अस्मिता के लिए खतरा है तुलनात्मक साहित्य में ऐसी बाधाएं खड़ी हो जाती है प्रत्येक राष्ट्र की एक भाषा है परंतु भारत में अनेक भाषाएं हैं लोक साहित्य का कोई भी अध्ययन तुलनात्मक साहित्य में क्यों नहीं आता चिन्ना तुलनात्मक अध्ययन करते समय हमें यह भी देखना देख हम यह भी देख सकते हैं कि यह भी देखा गया है कि हम संकुचित राष्ट्रीय सीमाओं के माध्यमों का अतिक्रमण करते हैं |साहित्य स्वयं में साहित्य नहीं है| बिना तुलनात्मक साहित्य की कल्पना नहीं की जा सकती दो भाषाओं के साथ साहित्य को अनुवाद के माध्यम से ही तुलनात्मक अध्ययन के लिए उपयोग में लाया जा सकता है |कल तक भारतीय भाषाएं कंप्यूटर मोबाइल आदि पर रोमन लिपि में लिखी जाती थी अब देवनागरी और अपनी भाषाओं में अपनी लिपि में लिखने लगे हैं डॉक्टर कामिनी गुप्ता जी ने चार्ल्स अधिवेशन की बाल कहानियों का अंग्रेजी में अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद किया था अवस्था में ध्वनि नहीं बोली जाती थी सौ को के रूप में बोला जाता था | जैसे संस्कृत के आंसू शब्द को वहां और कहा जाता है उर्दू कश्मीरी बंगाली उड़िया पंजाबी रोमानी मराठी नेपाली जैसी भाषाएं भी हिंद आर्य भाषाएं हैं हिंदी भारत में संपर्क भाषा के रूप में एक सशक्त और रूप में समझी जाने वाली भाषाएं हैं फिजी मॉरिशस गयाना सूरीनाम नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात की जनता भी हिंदी बोलती है अब अबू धाबी में हिंदी न्यायालय की भाषा को मान्यता मिली है |

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.एक गणेशन यस यस 2001 अनुसंधान प्रविधि सिद्धार्थ और प्रक्रिया इलाहाबाद लोकभारती प्रकाशन ,

2 चौधरी इंद्रनाथ 2006 तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिपेक्ष में नई दिल्ली वाणी प्रकाशन वर्मा

3.डॉ हरीश चंद्र 2011 शोध प्रविधि पंचकूला हरियाणा साहित्य अकादमी

4.बोरा राजकमल 1995 अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र नई दिल्ली रामाकृष्ण प्रकाशन

5.डॉ रविंद्र कुमार 2008 साहित्यिक अनुसंधान के आयाम नई दिल्ली नेशनल पब्लिशिंग हाउस.

6.नगेंद्र तुलनात्मक साहित्य नेशनल पब्लिकेशन हाउस दिल्ली सदर बाजार

7. नगेंद्र भारतीय साहित्य प्रभात प्रकाशन दिल्ली

8.राजूरकर तुलनात्मक अध्ययन भारतीय भाषा और साहित्य प्रकाशन दिल्ली .